NEWS CLIPPING: 06.05.2021

NAVBHARAT TIMES

कोरोना पीड़ित मरीजों की सहायता के लिए बनाई 'कोविड-19 हेल्प-डेस्क'

■ वरिष्ठ संवाददाता, फरीदाबाद

ऑक्सीजन री-फिलिंग मैनेजमेंट सिस्टम के सफल कार्यान्वयन के बाद अब जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए, फरीदाबाद ने 'कोविड-19 हेल्प-डेस्क' (https://jcboseust.ac.in/content/covid_desk) स्थापित करने का पहल की है। यह प्लैटफॉर्म कोरोना पीड़ित रोगियों और उनकी मदद करने वालों के लिए संसाधन साझा करने का काम करेगा। इस पहल के सफल क्रियान्वयन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा 200 से अधिक स्टूडेंट वॉलंटियर्स की एक टीम बनाई है जो कोरोना पीड़ितों के लिए दवाइयों, प्लाज्मा, ऑक्सिजन सिलिंडर, ऑक्सिजन कॉन्सेंट्रेटर, आईसीयू बेड और वेंटिलेटर जैसी चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था करेंगे।

इस परियोजना की शुरुआत विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर और डिजिटल अफेयर्स सेल द्वारा की गई है। स्टूडेंट वॉलंटियर्स की टीम अब तक प्रदेशभर में गंभीर रूप से बीमार लगभग 100 कोरोना पीड़ित मरीजों के लिए प्लाज्मा, ऑक्सिजन सिलेंडर और आईसीयू बेड की व्यवस्था कर चुकी है। स्टूडेंट वॉलंटियर्स द्वारा की जा रही इस पहल की सराहना करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि समाज में ऐसे लोग हैं जो जरूरतमंद मरीजों की मदद करना चाहते हैं, लेकिन उचित प्लैटफॉर्म और प्रामाणिक स्रोत के अभाव में उन तक नहीं पहुंच पाते।

■ कोरोना पीड़ितों को सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए जेसी बोस विश्वविद्यालय ने की पहल

■ संक्रमित लोगों की मदद के लिए 200 से ज्यादा स्टूडेंट वॉलंटियर्स कर रहे हैं हेल्प-डेस्क के लिए काम

NEWS CLIPPING: 06.05.2021

DAINIK BHASKAR

कोरोना पीड़ित मरीजों के लिए कोविड-19 हेल्प डेस्क शुरू

जेसी बोस विवि के 200 से ज्यादा स्टूडेंट वालंटियर्स के रूप में कर रहे हैं काम

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

ऑक्सीजन रिफिलिंग मैनेजमेंट सिस्टम के सफल कार्यान्वयन के बाद अब जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने 'कोविड-19 हेल्प-डेस्क' (https://jcboseust.ac.in/content/covid_desk) शुरू की है। यह कोरोना पीड़ित रोगियों और उन लोगों के लिए जो उनकी मदद कर सकते हैं, उनके लिए संसाधन साझा करने का मंच प्रदान करेगा। इसके क्रियान्वयन के लिए विश्वविद्यालय ने 200 से अधिक स्टूडेंट वालंटियर्स की टीम बनाई है। ये कोरोना पीड़ितों के लिए दवाइयों, प्लाज्मा, ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर, आईसीयू बेड और वेंटिलेटर जैसी चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था करेंगे। इसकी शुरूआत विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर और डिजिटल अफेयर्स सेल ने की है। स्टूडेंट वालंटियर्स की टीम अभी तक प्रदेशभर में गंभीर रूप से बीमार लगभग 100 कोरोना पीड़ित मरीजों के लिए प्लाज्मा, ऑक्सीजन सिलेंडर और आईसीयू बेड की व्यवस्था कर चुकी है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों ने संकट के समय मानवता की सेवा करने के लिए एक बड़ी जिम्मेदारी उठाई है। कोरोना पीड़ित मरीजों की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि के कारण चिकित्सा सुविधाओं को लेकर उत्पन्न मांग और आपूर्ति को एकीकृत करने तथा पूरा करने की दिशा में कोविड-19 हेल्प-डेस्क एक सार्थक पहल है। उन्होंने कहा समाज के ऐसे लोग जो जरूरतमंदों की मदद करना चाहते हैं, लेकिन उचित प्लेटफार्म और प्रामाणिक स्रोत के आभाव में उन तक नहीं पहुंच पाते। डॉ. नीलम दूहन के अनुसार कोविड-19 हेल्प-डेस्क प्लेटफार्म को इस तरह से विकसित किया गया है कि जरूरतमंद व्यक्ति अपनी मांग दर्ज करा सकता है तथा मांग के अनुरूप संसाधन रखने वाला व्यक्ति ऐसी जरूरत को पूरा करने के लिए अपनी उपलब्धता दर्ज करा सकता है।

NEWS CLIPPING: 06.05.2021

PUNJAB KESARI

कोरोना पीड़ितों के लिए जेसी बोस विश्वविद्यालय का हेल्प-डेस्क

- कोरोना पीड़ित मरीजों को चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए जेसी बोस विश्वविद्यालय की पहल
- स्टूडेंट वालंटियर्स के प्रयासों को कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने सराहा, स्थानीय प्रशासन व सामाजिक संगठनों को पहल से जोड़ने के प्रयास

फरीदाबाद, 5 मई (महावीर गोयल): ऑक्सीजन रिफिलिंग मैनेजमेंट सिस्टम के सफल कार्यान्वयन के बाद अब जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्याल, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने एक कोविड-19 हेल्प-डेस्क स्थापित करने का पहल की है जोकि कोरोना से पीड़ित रोगियों और उन लोगों के लिए जो उनकी मदद कर सकते हैं, के लिए संसाधन साझा करने का मंच प्रदान करेगा।

इस पहल के सफल क्रियान्वयन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा 200 से अधिक स्टूडेंट वालंटियर्स की एक टीम बनाई है जो कोरोना पीड़ितों के लिए दवाईयों, प्लाज्मा, ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर, आईसीयू बेड और वेंटीलेटर जैसी चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था करेंगे। इस परियोजना की शुरूआत विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर और डिजिटल अफेयर्स सेल द्वारा की गई है।

200 से ज्यादा स्टूडेंट वालंटियर्स कर रहे है हेल्प-डेस्क के लिए काम

स्टूडेंट वालंटियर्स की टीम अब तक प्रदेशभर में गंभीर रूप से बीमार लगभग 100 कोरोना पीड़ित मरीजों के लिए प्लाज्मा, ऑक्सीजन सिलेंडर और आईसीयू बेड की व्यवस्था कर चुकी है। स्टूडेंट वालंटियर्स द्वारा की जा रही पहल की सराहना करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने संकट के समय मानवता की सेवा करने के लिए एक बड़ी जिम्मेदारी उठाई है। कोरोना पीड़ित मरीजों की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि के कारण चिकित्सा सुविधाओं को लेकर उत्पन्न मांग और आपूर्ति को एकीकृत करने तथा पूरा करने की दिशा में कोविड-19 हेल्प-डेस्कज एक सार्थक पहल है।

उन्होंने कहा कि समाज ऐसे लोग हैं जो जरूरतमंद मरीजों की मदद करना चाहते हैं, लेकिन उचित प्लेटफार्म और प्रामाणिक स्रोत के आभाव में उन तक नहीं पहुंच पाते। उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि विश्वविद्यालय कोरोना पीड़ित मरीजों की आधी मांग को भी पूरा करने में सक्षम हो पाये तो यह कई बहुमूल्य जीवन बचाने और मानवता की सेवा करने में एक बड़ी मदद होगी।

विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर और डिजिटल मामलों की निदेशक डॉ. नीलम दूहन ने बताया कि कोविड-19 हेल्प-डेस्कज प्लेटफार्म को इस तरह से विकसित किया गया है कि जरूरतमंद व्यक्ति अपनी मांग दर्ज करवा सकता है तथा मांग के अनुरूप संसाधन रखने वाला व्यक्ति ऐसी जरूरत को पूरा करने के लिए अपनी उपलब्धता दर्ज करवा सकता है। हालांकि, वास्तविकता यह है कि मांग तथा आपूर्ति के बीच काफी अंतर है। इसलिए, हमारे स्टूडेंट वालंटियर्स जो अपने घर से डेटाबेस की निगरानी कर रहे हैं, जरूरी संसाधनों को जुटाने के लिए अपनी व्यक्तिगत क्षमता के आधार पर व्यवस्थित करने के लिए भी काम कर रहे है। विश्वविद्यालय विभिन्न सामाजिक संगठनों, एनजीओ और स्थानीय प्रशासन से भी संपर्क बना रहा है।

NEWS CLIPPING: 06.05.2021

PUNJAB KESARI

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय में 'मीडिया की बात आप साथ' वेबिनार 14 को

फरीदाबाद, 11 मई (ब्यूरो) : जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्याल, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग, फरीदाबाद द्वारा मीडिया के विद्यार्थियों के लिए 'मीडिया की बात आप साथ' शीर्षक से एक वेबिनार श्रृंखला शुरू करने जा रहा है, जिसमें विद्यार्थियों को मीडिया जगत की प्रमुख हस्तियों के साथ संवाद का अवसर मिलेगा। इस श्रृंखला का पहला वेबिनार 14 मई, 2021 को आयोजित किया जाएगा और वेबिनार का विषय 'सोशल मीडिया, सोसाइटी एंड यूथ' है, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड में अध्यक्ष एवं मीडिया निदेशक उमेश उपाध्याय मुख्य वक्ता होंगे। इस सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार करेंगे।

NEWS CLIPPING: 06.05.2021

DAINIK JAGRAN

सार्थक पहल | विवि ने दो सौ अधिक छात्रों की टीम बनाई, संक्रमितों के लिए जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था करेगी टीम

जेसी बोस विवि ने कोविड-19 हेल्प डेस्क स्थापित की

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : आक्सीजन रिफिलिंग मैनेजमेंट सिस्टम के सफल क्रियान्वयन के बाद अब जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय ने कोविड-19 हेल्प-डेस्क (https//jcboseust.ac.in/content/covid_desk) स्थापित की है। यह कोरोना से पीड़ित रोगियों और उन लोगों की सहायता के लिए तैयार की गई है।

इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा 200 से अधिक छात्रों की टीम बनाई गई है, जो कोरोना पीड़ितों के लिए दवाओं, प्लाज्मा, आक्सीजन सिलेंडर, आक्सीजन कांसेंट्रेटर, आइसीयू बेड और वेंटिलेटर जैसी चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था करेंगे।

इस परियोजना की शुरुआत विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर और डिजिटल अफेयर्स सेल द्वारा की गई है। छात्रों की टीम अब तक प्रदेशभर में गंभीर रूप से बीमार लगभग 100 कोरोना पीड़ित मरीजों के लिए प्लाज्मा, आक्सीजन सिलेंडर और आइसीयू बेड की व्यवस्था कर चुकी है। छात्रों की पहल की सराहना करते हुए कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने संकट के समय मानवता की सेवा करने के लिए एक बड़ी जिम्मेदारी उठाई है।

कोरोना पीड़ित मरीजों की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि के कारण चिकित्सा सुविधाओं को लेकर उत्पन्न मांग और आपूर्ति को एकीकृत करने तथा पूरा करने की दिशा में 'कोविड-19 हेल्प-डेस्क' एक सार्थक पहल है। विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर और डिजिटल मामलों की निदेशक डा. नीलम दूहन ने बताया कि कोविड-19 हेल्प-डेस्क प्लेटफार्म को इस तरह से विकसित किया गया है कि जरूरतमंद व्यक्ति अपनी मांग दर्ज करवा सकता है तथा मांग के अनुरूप संसाधन रखने वाला व्यक्ति ऐसी जरूरत को पूरा करने के लिए अपनी उपलब्धता दर्ज करवा सकता है। हालांकि, वास्तविकता यह है कि मांग तथा आपूर्ति के बीच काफी अंतर है।

इसलिए, हमारे छात्र जो अपने घर से डेटाबेस की निगरानी कर रहे हैं, जरूरी संसाधनों को जुटाने के लिए अपनी व्यक्तिगत क्षमता के आधार पर व्यवस्थित करने के लिए भी काम कर रहे हैं। विश्वविद्यालय विभिन्न सामाजिक संगठनों, एनजीओ और स्थानीय प्रशासन से भी संपर्क बना रहा है ताकि जरूरतमंद मरीजों के लिए अधिकतम संसाधनों की व्यवस्था की जा सके।

कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. कोमल कुमार भाटिया, जिनकी देखरेख में पूरी पहल का संचालन किया जा रहा है, ने बताया कि कोरोना मरीजों के लिए संसाधन जुटाने के लिए बनाए गए डेटाबेस आधारित कोविड-19 हेल्प-डेस्क को वास्तविक समय में अपडेट किया जा रहा है और कोई भी व्यक्ति आक्सीजन सिलेंडर, बेड, होम आइसीयू और वेंटिलेटर जैसे उपलब्ध संसाधनों का विवरण प्लेटफार्म पर दर्ज करवा सकता हैं।

इस पहल के तहत दिल्ली तथा हरियाणा के कुछ चुनिंदा शहरों को लाया गया है और यदि यह सफल रहता है, तो संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर देश के अन्य शहरों को जोड़ते हुए इसका विस्तार किया जाएगा, ताकि इसका फायदा ज्यादा से ज्यादा लोगों को मिल सके।

NEWS CLIPPING: 06.05.2021

PUNJAB KESARI

विद्यार्थियों के लिए आयोजित होंगी तकनीकी वार्ता और प्रतियोगिताएं

फरीदाबाद, 11 मई (ब्यूरो): जे. सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से 13 एवं 14 मई, 2021 को दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करेगा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में तकनीकी प्रगति पर शिक्षाविदों और उद्योग के प्रमुख वक्ताओं द्वारा तकनीकी व्याख्यान दिये जायेंगे। कार्यक्रम का शीर्षक 'सतत विकास के लिए तकनीकी प्रगति' है। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार करेंगे। बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी और आईबीएम में सरकारी उद्योग, भारत व दक्षिण एशिया के निदेशक डॉ. प्रभात मनोचा तकनीकी सत्र के विशेषज्ञ वक्ता होंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए कंप्यूटर इंजीनियरिंग के अध्यक्ष प्रो. कोमल कुमारत भाटिया ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रौद्योगिकी के महत्व, समग्र विकास के लिए इसकी उपयोगिता तथा देश और मानवता के लिए इसके लाभ के बारे में विद्यार्थियों, शिक्षाविदों और आम लोगों में जागरूकता पैदा करना है।